□□□□ □□□□□

□□□□ □त्र□□□

(□□□□, **योग व प्राकृतिक चिकित्सा**, □□□□□, **सिद्ध एवं होम्यो**□□□)

□□□ □□□

अतारांकित प्रश्न सं. 3115

06 दि□म्□□, 2019 **को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर**

□□□□ों □□□□□□□ □□□त□ □□□□□ □□□□□□□

3115. **श्री** □□. □□. □□□□ □□न्□:

क्□□ □□□□□, □□□ □□ **प्राकृतिक** ि□ि□त्□□, □□□□□, **सिद्ध** □□ □□म्□□□□□ (□□□□) □त्री □□ □□□□□□ो □□□□ □□□ि□:

(□) □□□□ों □□□□□□□ □□ों □□ ि□□□□□□□□□□□ ि□□ □□ □ □□□ □□ □ ि□□□□ □□□□□□□ ि□□□□□□□□□ □□ □□ो □; □□

(□) □क□ ि□□□ □□ □□□□□□□ □□□ □□□□□□ो □स□□□ □□□ ब□□□ क□□ □?

<u>□त्□□</u>

<u>□□□□ □□ज्□ □त्री (स्□तंत्र प्रभार) (श्री श्रीपाद येसो नाईक)</u>

(□) □□ (□): देश म औषधीय महत्व □□□□□ों पर विभिन्न सरकारी व निजी विश्व विद्यालयों/□□□□□□ □स□□□/□□□□ों द्□□□ □□ □□□□□□/□□□□□ ि□□□□□ □□□□□

वतमान म, □रत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों/विभागों जैसे आयुष मंत्रालय, □□□□□□, □□ □□ जलवायु परिवतन मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, □ि□ □□ किसान कल्याण मंत्रालय, □□□□□□□ □□□□□□त्र□□□, विज्ञान और प्रौद्योगिकी ि□□□□ (□.□□.□ी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डी बी टी) आदि द्वारा उनकी संबंधित स्□□ो/कार्यक्रमों के अंतगत औषधीय पादपों के विभिन्न पहलुओं जैसे कि □ि□ि□त्□□ □□□□□□, सवक्षण, □□□□□, प्र□□□, □क्ष□ प्र□□□□, □ि□ □□□□□, □□□ □□□□□ो□□□, □□□विज्ञान और नैदानिक अनुसंधान आदि पर अनुसंधान परियोजनाओं को सहायता दी जा रही है।

आयुष मंत्रालय के अंतगत, विभिन्न अनुसंधान परिषद अथात कद्रीय आयुवदीय ि□ज्ञ□□ □□□□□□ □ि□□□ (□.□□.□.□.□.□□), कद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सी.सी.आर.□□□), कद्रीय होम्यो□□□ □□□□□□ □ि□□□ (□.□.□.□.□.□□), और कद्रीय सिद्ध अनुसंधान परिषद (सी.सी.आर.एस), □□ि□□ ि□ि□त्□□ पद्धतियों म उपयोग किए जाने वाले औषधीय पादपों के अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों म लगी □□ □□ □□□□ □ि□ि□क्, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोड (एनएमपीबी), □□□ □त्र□□□ "□□□□□ □□□ों □□□□क्ष□, ि□□□□ □□ □□□ प्र□□□" □□ अपनी कद्रीय क्षेत्रक स्कीम के अंतगत भी पूरे देश म कई सरकारी विश्वविद्यालयों □□ □□-साथ निजी विश्वविद्यालयों/ □□□□□□ □स□□□/संगठनों को औषधीय पादपों के

ि□ि□न्□ □□□□□ □□□ □□□□□□ □□□विकास परियोजनाओं को सहायता दे रहा है । □□ □□□ □□□□□□□ □ा केंद्रीय क्षेत्रक स्कीम के अंतगत औषधीय पादपों के विभिन्न पहलुओं पर 150 □□□ि□□ □□□□□□ परियोजनाएं देश के विभिन्न राज्यों म कई विश्वविद्यालयों/ अनुसंधान संस्थानों/ संगठनों म चल रही ह ।

□□स के अतिरिक्त अन्य मंत्रालयों के अंतगत पादपों के औषधीय महत्त्व पर अनुसंधान □□□ □ □□□ कुछ प्रमुख अनुसंधान संस्थान ह : वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सी.एस.आई.आर) के अंतगत □द्री□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□ □स□□□ (□□□□□□□□□)- □□□□, □द्री□ □□□ □□□□□□ □स□□□ (□□.□□.□□.□□)- □□□□, □□□□□ □□□□ □□□ □स□□□(□□.□□.□□. □□)- □म□□,ि□□□□□□ □□ □□□□ प्रौद्योगिकी संस्थान(आई.एच.बी.टी)-□□□□□□, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान (एन.बी.आर.आई)- □□□□, पूर्वातर विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (एन,□.□□.□□.□ा)- □□□□□; □□□□□ □ि□ □□□□□□ परिषद के अंतगत औषधीय एवं सगंध □□□□ □□□□□□ ि□□□□□□ (□□.□□.□.□□.□□)-□□□, □□□□□ □ि□□ा □□□शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) - □□□□□, और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आई. सी.एम.आर)

****